मध्यकालीन हिंदी साहित्य
संवेदना, शास्त्र और समसामयिकता

संपादक
डॉ. पूरनचंद टंडन
डॉ. सुनील तिवारी

Scanned with CamScanner

© : नव उन्नयन साहित्यिक सोसाइटी

प्रकाशक
नव उन्नयन साहित्यिक सोसाइटी
डी-67, शुभम् एनक्लेव, पश्चिम विहार, नई दिल्ली-110063
चलभाष : 9810287732, 9810734820
E-mail: drpuranchandtandon@gmail.com
pctandon03@gmail.com

प्रथम संस्करण : 2018

ISBN : 978-81-929390-4-8

मूल्य : 1500/-रुपए

टाइपसैटिंग एवं आवरण सज्जा : प्रवीण कुमार भारद्वाज
मोबाइल : 9811357243

मुद्रक
अर्चना प्रिंटर्स
1/1955, गली नं. 22-ए, ईस्ट राम नगर,
नजदीक दुर्गा मंदिर, शाहदरा, दिल्ली-110032
मोबाइल : 9811357243
E-mail : hemadriprakashan@gmail.com
archanaprinter2009@gmail.com

Mdhydalin Hindi Sahitya : Samvedna, Shashastr Aur Samsamyikta
Editor : Prof. Puran Chand Tandon, Dr. Sunil Kumar Tiwari

CS Scanned with CamScanner

मध्यकालीन साहित्य में मानव और मानवीयता / ज्योत्स्ना कुमारी — 528
हिंदी के मध्यकालीन काव्य का व्यंग्यात्मक स्वर / वीरेंदर — 537
मध्यकालीन सूफी काव्य में भारतीय और अभारतीय तत्त्व / आरती — 543
उत्तर मध्यकालीन साहित्य में गार्हस्थ्य जीवन / रीना कसाना — 551
जायसी विषयक आलोचकों की आलोचना दृष्टि / कृतिका सिंह — 557
भक्ति आंदोलन के संदर्भ में विद्यापति और
कबीर का अंतःप्रभाव / डॉ. कालीचरण झा — 566
भक्ति आंदोलन और श्रीमंत शंकरदेव / डॉ. अनुशब्द — 572
मध्यकालीन भक्ति काव्य में सामाजिक-सांस्कृतिक चेतना / कल्पना — 583
मध्यकालीन कवि रैदास की दलित चेतना / गीता रानी — 592
मध्यकालीन कवियों की दलित चेतना / राजेश सिंह — 599
मध्यकालीन साहित्य में नारी / नेहा सैनी — 609
मध्यकालीन साहित्य में नारी : रामचरितमानस के संदर्भ में / अंकिता लोहनी — 624
मध्यकालीन साहित्य में नारी / रागिनी प्रिया — 631
मध्यकालीन साहित्य में नारी / आशा मीणा — 636
मध्यकालीन साहित्य में नारी / कुमार गौरव — 639
मध्यकालीन काव्यभाषा के विविध आयाम / देविंदर सिंह — 644
मध्यकालीन कवियों की सौंदर्य दृष्टि / संदीप कुमार — 659
मध्यकालीन साहित्य में लोक तत्त्व / अनूप प्रसाद — 668
मध्यकालीन साहित्य में संगीत / सीमा रानी — 675
मध्यकालीन साहित्य में आयुर्वेद / सुमित — 682
बाजारवाद और भक्ति : मध्यकालीन संदर्भ / मनीष पटेल — 690
मध्यकालीन भारतीय ऐतिहासिक साहित्य में बौद्ध संघ की प्रासंगिकता :
भिक्षु एवं भिक्षुओं के विशेष संदर्भ में / एकता जैन — 696
गोस्वामी तुलसीदास के काव्य की कटौती / कुमार रितेश रंजन — 703

CS Scanned with CamScanner

डॉ. अनुशब्द

भक्ति आंदोलन और श्रीमंत शंकरदेव

'साहित्य समाज का जीवन है, वह उसके उत्थान-पतन का साधन है। साहित्य के उन्नत होने से समाज समुन्नत होता है। साहित्य देश को नया आलोक देता है। साहित्य साहसी जाति का साहस और कर्तव्यपरायण जाति का कर्तव्य है। साहित्य मानवता का मधुर राग है। सुसुप्त जाति की आँखें खोलता है। विपथगामी को रास्ता दिखाता है। साहित्य क्या नहीं करता? वह मृतप्रायः साँसों को नया जीवन देकर उसे मनुष्य रूप में रहने योग्य बनाता है।' साहित्य के संदर्भ में अयोध्यासिंह उपाध्याय की ये सारी बातें शत प्रतिशत सही हैं। खासकर भक्ति-साहित्य का तो केंद्रीय स्वर ही यही समाज, सामाजिक चिंता और मानवतावाद है। वास्तव में, जिस साहित्य में मुक्ति, वेदना, सामाजिक-धार्मिक अंतर्विरोध आदि विषयों पर प्रमुखता से बात की जा रही हो वह जीवन और समाज से विमुख साहित्य नहीं हो सकता। भक्ति-साहित्य ने यह सिद्ध कर दिया कि साहित्य राजनीति के पीछे चलने वाली सच्चाई नहीं बल्कि आगे चलाने वाली मशाल है। इसी व्यापक और गंभीर भक्ति-साहित्य ने मध्यकालीन सामंती समाज में एक 'विराट जनांदोलन' खड़ा किया जो भक्ति आंदोलन के रूप में ख्यात है। यह 'भक्ति आंदोलन जातीय निर्माण को व्यक्त करने वाला एक सांस्कृतिक आंदोलन है जिसका मुख्य स्वर सामंतवाद विरोधी एवं मानवतावादी है।' इस भक्ति आंदोलन की दो महत्वपूर्ण विशेषताएँ हैं। एक तो इसका स्वरूप अखिल भारतीय है और दूसरा इसने समाज के सभी उपेक्षित और हाशियाकृत वर्गों मसलन दलित, अल्पसंख्यक एवं महिलाओं को केंद्र में लाने की पुरजोर कोशिश की। उनके स्वर को बुलंद करने का प्रयास किया। उत्तर भारत में तो यह प्रयास सम्मिलित रूप से कबीर, सूर, तुलसी और जायसी की रचनाओं में देखने को मिलता है। पश्चिम में मीरा, दादू दयाल, गुरुनानक, नामदेव, एकनाथ, तुकाराम आदि के यहाँ दिखाई पड़ता है। दक्षिण में आलावर, नायनार तथा रामानुजाचार्य की वाणियों में सामाजिक चिंता स्पष्ट रूप से झलकती है। पूरब में चैतन्य महाप्रभु, माधव कंदली, श्रीमंत शंकरदेव, माधवदेव आदि के यहाँ अपने समय और समाज की आवाज बहुत ही संजीदगी से सुनाई पड़ती है।

भक्ति आंदोलन को सफल और सार्थक बनाने में पूर्वोत्तर भारत के श्रीमंत शंकरदेव का

CS Scanned with CamScanner